न्याय भारतीय संविधान की आत्मा, भारत में हरेक को बचाव का अधिकार - जस्टिस जैन

दीप प्रज्वलित कर ज्यूरिस्ट कॉन्फ्रेन्स का शुभारंभ करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट के जस्टिस सुधीर जैन, मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व जस्टिस बी.डी. राठी, आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के पूर्व चीफ जस्टिस वी. ईश्वरैया, एसोचैम नेशनल काउंसिल ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स की चेयरपर्सन प्रीति मल्होत्रा, ब्र.कु. बृजमोहन भाई, ब्र.कु. आशा दीदी, ब्र.कु. पुष्पा दीदी, ब्र.कु. लता दीदी, ब्र.कु. नथमल भाई, सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ वकील अशोक शर्मा, ऑल इंडिया बार एसोसिएशन दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. आदिशा अग्रवाल तथा अन्य।

ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में न्यायविदों के लिए त्रिदिवसीय सम्मेलन

ओआरसी-गुरुग्राम। न्याय भारतीय संविधान की आत्मा है। भारत में ही ऐसा सिस्टम है जहां हर व्यक्ति अपना बचाव कर सकता है। उक्त विचार दिल्ली उच्च न्यायालय के जस्टिस सुधीर जैन ने ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में न्यायविदों के लिए आयोजित तीन दिवसीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में व्यक्त किये। 'आध्यात्मिक सशक्तिकरण' विषय पर जस्टिस सुधीर ने कहा कि सही अर्थ में आध्यात्मिक वही है, जिसमें आत्मिक भाव हो। न्याय में यही भाव निर्णय को सही स्वरूप प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि आध्यात्मिकता का प्रैक्टिकल स्वरूप हमें सच्चा मीडिएटर बनाता है। जिससे ही निर्णय सही हो सकता है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व जस्टिस व ब्रह्माकुमारीज़ ज्यूरिस्ट विंग के वाइस प्रेसिडेंट बी.डी. राठी ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ विश्व की एकमात्र संस्था है, जो मातृ शक्ति के द्वारा संचालित होती है। आध्यात्मिकता के माध्यम से ही विश्व भर में बढ़ रही नकारात्मकता को समाप्त किया जा सकता है। एसोचैम नेशनल काउंसिल ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स,नई दिल्ली की चेयरपर्सन प्रीति मल्होत्रा ने भी कार्यक्रम के प्रति अपनी शुभकामनाएं व्यक्त की। भारत सरकार के विधि कार्य विभाग के अति. सचिव डॉ. राजीव मणि ने कहा कि न्याय में विश्वास कायम रखने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था ज़रूरी है। ब्रह्माकुमारीज़ जैसी वैश्विक संस्था इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व चीफ जस्टिस वी. ईश्वरैया ने कहा कि भारत एक समय सोने की चिड़िया कहलाता था। लेकिन आज नैतिक पतन के कारण देश की ऐसी हालत हो गई है। उन्होंने कहा कि विश्व के वर्तमान संकट का समाधान आध्यात्मिक सशक्तिकरण के द्वारा ही संभव है। आध्यात्मिकता से ही सच्ची शांति, खुशी और आनंद जैसे गुणों की अनुभूति होती है।

ऑल इंडिया बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. आदिशा अग्रवाल ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ केवल भारत में ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। भारतीय संस्कृति के पुरातन मूल्यों को पुनः स्थापित कर रही है। ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के अति. महासचिव ब्र.कु. बृजमोहन भाई ने कहा कि वास्तव में न्याय की आवश्यकता तभी होती है, जब अन्याय हो। आध्यात्मिक चेतना की जागृति हमें उस समाज की ओर ले जाती है, जहां कोई भी अन्याय नहीं होता। उन्होंने कहा कि मनोविकारों का मूल कारण आत्मिक विस्मृति है। ओआरसी की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. आशा दीदी ने कहा कि आत्मा की आवाज़ को सुनकर कार्य करना आध्यात्मिकता है। जब हम आत्मा की सुनते हैं तो हमारे में दया, करुणा और प्रेम के भाव जगते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ ज्यूरिस्ट विंग की राष्ट्रीय अध्यक्षा राजयोगिनी ब्र.कु. पुष्पा दीदी ने सबको योग का गहन अनुभव कराते हुए कहा कि आंतरिक शुद्धिकरण से ही न्याय में पारदर्शिता आती है। ज्यूरिस्ट विंग की राष्ट्रीय संयोजिका ब्र.कु. लता दीदी, मा.आबू ने सबका आभार व्यक्त किया। ज्यूरिस्ट विंग की संयोजिका ब्र.कु. श्रद्धा बहन,मा.आबू एवं ओआरसी की ब्र.कु. येशु बहन ने मंच का संचालन किया।

सम्मेलन में...

- देश भर से 650 से भी अधिक न्यायविदों ने शिरकत की
- आध्यात्मिकता का प्रैक्टिकल स्वरूप सच्चा मीडिएटर बनाता है : जस्टिस सुधीर
- आध्यात्मिक सशक्तिकरण ही वर्तमान संकट का समाधानः जस्टिस ईश्वरैय्या
- आध्यात्मिक चेतना की जागृति होने से अन्याय नहीं होगा : ब्र.कु. बृजमोहन

जन-जन को जागरुक करने की सेवा कर रहा ये संस्थान : विक्रमादित्य सिंह

सुन्नी-शिमला(हि.प्र.)। ब्रह्माकुमारीज़ के ओम शांति भवन में आयोजित पंचम 'राज्यस्तरीय वार्षिक आध्यात्मिक सम्मलेन' में पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत वीरभद्र सिंह के सपुत्र विक्रमादित्य सिंह,लोक निर्माण, युवा एवं खेल राज्यमंत्री ने कहा कि किसी देश की समृद्धि, उन्नति अथवा विकास का आकलन वहां की सड़कें, बड़ी-बड़ी इमारतें अथवा बिजली-पानी की अच्छी व्यवस्था से नहीं अपितु इस बात से किया जाता है कि वहां के लोग कितने खुश, शान्त और सभ्य हैं। उन्होंने ब्रह्माकुमारी बहनों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ब्रह्माकुमारी बहनें गांव-गांव में जा कर लोगों को जागरुक कर रही हैं जो आज के युग की सबसे बड़ी सेवा है। ब्रह्माकुमारीज़ पंजाब ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. प्रेम दीदी ने उपस्थित जनसमूह को जीवन जीने की कला और सदा खुश रहने का तरीका बताकर उमंग उत्साह से भर दिया। ब्र.कु. उत्तरा बहन ने सभी को अपना तन, मन, धन और समय सफल करने की प्रेरणा दी। फरीदकोट सर्किल की वरिष्ठ राजयोगिनी ब्र.कु. संगीता बहन ने राजयोग के अभ्यास द्वारा सबको गहन शांति का अनुभव कराया। अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से आये वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. प्रकाश भाई ने मुख्य अतिथि को सम्मानित कर माउण्ट आबू आने का निमंत्रण दिया। सुन्नी उप सेवा केंद्र के वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. रेवा दास भाई ने ईश्वरीय सेवाओं का वार्षिक समाचार सुनाते हुए कुछ चयनित भाई-बहनों को प्रोत्साहन स्वरूप प्रतिष्ठा प्रमाण पत्र भी मुख्य अतिथि के कर कमलों द्वारा वितरित करवाए। उपसेवाकेन्द्र संचालिका ब्र.कु. शकुंतला बहन ने सभी का धन्यवाद किया। संचालन फिल्लौर,पंजाब से आये वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. राकेश भाई ने किया। **सम्मेलन में शिमला ग्रामीण के मंडल अध्यक्ष गोपाल शर्मा, नगर पालिका सुन्नी के अध्यक्ष प्रदीप शर्मा तथा तहसीलदार सुन्नी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की तथा प्रदेश के विभिन्न स्थानों से व शिमला ग्रामीण के 118 गांव के लगभग 350 भाई-बहनों ने भी भाग लिया।**

ओम शांति भवन में 'राज्यस्तरीय वार्षिक आध्यात्मिक सम्मलेन' का सफल आयोजन

समाज सेवा प्रभाग के अभियान का भव्य समापन समारोह

ब्रह्माकुमारीज़ का कार्य आज के समय में सबसे ज़्यादा उपयोगी : सांसद माला राज्य लक्ष्मी शाह

समाजसेवियों को किया गया सम्मानित

उत्तरकाशी-उत्तराखंड। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के प्रांगण में आयोजित 'मूल्य आधारित सेवा द्वारा समृद्ध समाज की पुनर्स्थापना' अभियान के समापन समारोह में मुख्य अतिथि सांसद टिहरी गढ़वाल महारानी माला राज्य लक्ष्मी शाह ने कहा कि मैं अपने को बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूँ कि इस कार्यक्रम का मुझे निमंत्रण मिला। ब्रह्माकुमारीज़ संस्था जो काम कर रही है, आज के समय में उसकी उपयोगिता बहुत ज़्यादा है। इसके साथ ही सांसद ने संस्थान के मुख्यालय माउंट आबू में जाने की भी अपनी इच्छा प्रकट की।

ब्र.कु. प्रो. गिरीश भाई ने कहा कि समाज सेवा करने का मूल आधार दान करने में है। धन, अन्न, वस्त्र आदि दान करने के साथ सुख, शांति, शक्ति आदि गुणों का दान देने की भी ज़रूरत है। ब्रह्माकुमारीज़ की वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी ब्र.कु. विजय लक्ष्मी दीदी ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान के हर व्यक्ति का लक्ष्य है स्व परिवर्तन से विश्व परिवर्तन करना। यहां के भाई-बहनों ने ईश्वरीय ज्ञान को धारण कर अपने जीवन को अलौकिक दिव्य और सात्विक बनाकर समाज सेवा करने का बीड़ा उठाया है। कार्यक्रम संयोजक ब्र.कु. वीरेंद्र भाई ने कहा कि भारत जो सोने की चिड़िया था, जहां पर दैवी संस्कृति थी, उसकी पुनर्स्थापना करने के उद्देश्य से इस अभियान का आयोजन हुआ था। उन्होंने जानकारी दी कि इस अभियान के तहत सशस्त्र सीमा बल सीआईएसएफ, आईटीबीपी, आर्मी, स्कूल, कॉलेज आदि स्थानों में कार्यक्रम आयोजित कर मोटिवेशनल स्पीकर एवं विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन किया गया। ब्रह्माकुमारीज़ के क्षेत्रीय निदेशक ब्र.कु. मेहरचंद भाई ने कहा कि सच्चे समाज सेवकों को भगवान की तरफ से बहुत दुआएं मिलती हैं। उन्होंने दुआओं को दुनिया का सबसे बड़ा खज़ाना बताते हुए कहा कि जीवन में हमें ऐसे कर्म नहीं करने चाहिए जिससे बद्दुआएं मिले।

सुरेश चौहान,विधायक गंगोत्री ने कहा कि सच्ची समाज सेवा का अनुभव ब्रह्माकुमारीज़ के मुख्यालय माउंट आबू में जाकर हुआ। ब्रह्माकुमारीज़ के 50,000 समर्पित भाई-बहनों ने पूरे विश्व में भारत के प्राचीन राजयोग के ज्ञान के द्वारा भारतीय संस्कृति के पुनर्जागरण का काम किया है।

कार्यक्रम में गंगोत्री धाम के रावल हरीश सेमवाल, प्रताप सिंह पोखरियाल, पर्यावरण प्रेमी, सुधा गुप्ता,भारत विकास परिषद, माधव प्रसाद जोशी,अध्यक्ष इंडिया रेड क्रॉस सोसायटी, उमेश बहुगुणा,अध्यक्ष गंगा आरती समिति, मोहन डबराल,अध्यक्ष रोटरी क्लब, नागेंद्र थपलियाल,सुमन कला मंच, राघवेंद्र उनियाल,अनघा फाउंडेशन, अजय पुरी,अध्यक्ष चार धाम होटल एसोसिएशन को सम्मानित किया गया।

RNI NO RAJHIN/2000/00721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/21-23, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2021-23, Posting on 12th TO 14th and 22nd TO 24th each month, published on 3rd Dec, 2023
स्वामी - आर.ई.आर.एफ, प्रकाशक, सम्पादक एवं मुद्रक- गंगाधर नरसिंघानी द्वारा कैपिटल ऑफसेट, L 801-I, Sector-28, GIDC Gandhinagar(Guj.) से मुद्रित एवं ओमशान्ति मीडिया, ब्रह्माकुमारीज़,शांतिवन-राज. से प्रकाशित।
कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
ब्रह्माकुमारीज़, शांतिवन,- 307510
See Latest News
www.omshantimedia.org